ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-11-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-11-05	2025-11-06	2025-11-07	2025-11-08	2025-11-09
वर्षा (मिमी)	2.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	30.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	16.0	14.0	13.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	78	83	82	79	72
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	72	69	65	63
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	10	4	2	7
पवन दिशा (डिग्री)	108	103	48	315	297
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	0	1	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के कारण 05 नवम्बर, 2025 को स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28.0-30.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 13.0-17.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम एवं न्यूनतम स्तर 72-83% तथा 63-72% के मध्य रहेगा। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम रहेगी तथा हवा की गति 1.0-10.0 किमी/घंटा रहेगी तथा हवा की गति सामान्य से 4-5 किमी/घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 05 नवम्बर, 2025 को स्थानीय स्तर पर तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

बर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसानों को सूचित किया जाता है कि खरीफ की कटी हुई फसलों एवं दानो को संरछित करें तथा रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई का कार्य दिनाँक - 05 नवम्बर के बाद करें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के मुख्य प्रांगण में दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी दिनांक 05-06 नवम्बर, 2025 को आयोजित किया जा रहा है तथा अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में उपस्थित होकर पूर्ण लाभ अर्जित करे।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ फसलों की कटाई/मड़ाई कर दानो को संरछित करें तथा रबी की फसलें जैसे-गेहूँ, चना, मटर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई आसमान साफ होने पर करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं तथा कटाई के पश्चात लॉक को 2 -3 दिन तक धुप में सूखाने के बाद मड़ाई का कार्य करें। मड़ाई के बाद धुप में 3-4 दिन तक सूखाकर बीज को भण्डारित करें।
मूँगफली	मूँगफली के फसलों की खुदाई तभी करे जब छिलके के ऊपर की नसें उभर आयें तथा भीतरी भाग कत्थई रंग की हो जाय और मूंगफली का दाना गुलाबी हो जाय। मूँगफली की खुदाई के बाद फलियों को धुप में अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करें।
गेहूँ	मौसम के दृष्टिगत सिंचित दशा में गेहूँ की बुवाई के लिए तापक्रम अनुकूल है, अतः गेहूँ की बुवाई का कार्य 10 नवम्बर से प्रारम्भ करें। गेहूं की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें तथा क्षेत्रीय प्रजाति पी.बी.डब्ल्यू.-723, एच.पी.बी.डब्ल्यू.-01, डी.बी.डब्ल्यू.-39, के.-9107, के.-1006, के.-402 ,के.-607, डी.बी.डब्ल्यू.-90, डब्ल्यू.बी.-02, एन.डब्ल्यू.-5054, एच.डी.- 3043, यू.पी.-2382, एच.यू. डब्ल्यू.-468, पी.बी.डब्ल्यू.-443, एच.डी.- 2967 आदि, ऊसर भूमि के लिए संस्तुति प्रजाति :- के.आर.एल.-210, के.आर.एल.-213, के.-1317 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें।
रेपसीड	तोरिया की फसल में बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।तोरिया फसल की बुवाई के 20-22 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर करें । तोरिया की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 25-30 दिन के अन्दर करें तथा ओट आने पर 108 किलोग्राम/हेक्टयर की दर से यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
सरसों	सरसों की फसल में आरा मक्खी- अंकुरण के 7 से 10 दिन में ये कीट अधिक हानि पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए सुबह या शाम के समय मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबैरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियॉ- पूसा सरसों-34, पूसा सरसों-32, सी - 5-64 (सीएस2005-143), पूसा ओओएम-36 (पीडीजेड-15), बीएमपी-II (डीआईएमआर), आजाद महक, सुरेखा (केएमआर-16-02), वरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501,माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई के कार्य साफ मौसम में करें।
फील्ड पी	मटर के फसल की संस्तुति प्रजातियॉ- रचना, मालवीय मटर -15 , सपना आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 100-१२५ किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई करें।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियॉ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानो का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की मुख्य किस्में जैसे-कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दुरी, कुफरी सतलज, कुफरी लालिमा, कुफरी अरूण, कुफरी सदाबहार और कुफरी पुखराज, कुफरी गरिम, कुफरी लिमा, कुफरी ललित, कुफरी संगम, कुफरी नीलकंठ, कुफरी गंगा, कुफरी थार- 3, कुफरी मोहन, कुफरी नीलकंठ, कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4 और कुफरी फ्राईसोना आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दो

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करे तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करे।
सब्जी मिर्च	सब्जी मटर, सौफ, अजवाइन, चुकन्दर, लहसुन,धनिया, पालक,सोया, मेथी, मूली, गाजर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की बुवाई करें। टमाटर, प्याज, मिर्च , फूलगोभी एवं पत्तागोभी की नर्सरी डालें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो फूलगोभी, बैगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें।सब्जिओ की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके निंयत्रण हेतु नीम आयल की 1.5 मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर करे।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि के नए बागो में नष्ट हुए पौधो के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे । केले/ पपीता के फलदार वृक्षों में लकड़ी या बॉस के स्टैण्ड लगायें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २%कार्बरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैसों /गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों /गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें। गला घोटू रोग से बचाव हेतु पशुओं का टीकाकरण अवश्य करायें। बदलते मौसम को देखते हुए पशुओ को रात्रि के समय खुले स्थान पर न बांधे तथा पशुओं के स्वास्थ्य एवं बिमारी की देखभाल करना सुनिश्चित करे। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करे। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें।मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिवर्मिंग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 05 नवम्बर, 2025 को स्थानीय स्तर पर तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसानों को सूचित किया जाता है कि खरीफ की कटी हुई फसलों एवं दानो को संरछित करें तथा रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई का कार्य दिनाँक - 05 नवम्बर के बाद करें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details